अनौपचारिकसंस्कृतशिक्षणम्

Non-Formal Sanskrit Education

मार्गदर्शिका
Guideline

2023 - 24

केन्द्रीयसंस्कृतविश्वविद्यालयः

(संसदः अधिनियमेन स्थापितः)

राष्ट्रियमूल्याङ्कनपरिषदा ए$^{++}$ श्रेण्यां प्रत्यायितः

नवदेहली

Central Sanskrit University

(Established by an Act of Parliament)

Accredited by the NAAC with grade A^{++}

New Delhi

प्रकाशक

निदेशक

मुक्तस्वाध्यायपीठम्

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

56-57, इन्स्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी

नवदेहली- 110058

सम्पादक

डा. रत्नमोहन झा

राष्ट्रिय संयोजक, अनौपचारिकसंस्कृतशिक्षणम्

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली

अक्षरसंयोजक

चन्दनसिंह रावत

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, जनकपुरी नई दिल्ली

© केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

सम्पर्क सूत्र/Contact

दूरवाणी संख्या : 011-3501 0602, 011-3501 0261

ईमेल : nfse@csu.co.in

वेबसाईट : www.sanskrit.nic.in

विषय सूची
Content

	पुरोवाक्	04
1.	अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्रों हेतु दिशा-निर्देश	05-10
2.	अध्येताओं के लिए सूचना	11-12
3.	राज्य-संयोजक	13-17
4.	Guideline for Non-Formal Sanskrit Education Centres	18-23
5.	Information for the learners	24-25
6.	State-Coordinators	26-29

पुरोवाक्

भारतीय ज्ञान-विज्ञान तथा दर्शन की शास्त्रीय परम्परा को चिरकाल से पुष्ट करने वाली संस्कृत भाषा के अध्ययन हेतु सभी वर्गों के लोगों के द्वारा आकाङ्क्षा प्रकट की जाती रही है। परन्तु औपचारिक शिक्षा व्यवस्था तथा कार्यालयीय नियमों/बन्धनों के कारण उत्सुक व्यक्तियों का भी संस्कृत का अध्ययन सम्भव नहीं हो पाता है। अत एव जन आकांक्षाओं की पूर्ति हेतु भारत शासन के मानव संसाधन विकास मन्त्रालय के तत्त्वावधान में सञ्चालित केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के द्वारा देश के उत्कृष्ट अभियांत्रिक, चिकित्सकीय, एवं संगणकीय शिक्षा संस्थानों, विश्वविद्यालयों तथा महाविद्यालयों में "**अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्रों**" का सञ्चालन किया जा रहा है। इन केन्द्रों में केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय से प्रकाशित सचित्र पाठ्यसामग्रियों के माध्यम से प्रशिक्षित शिक्षकों के द्वारा सरलतम पद्धति से संस्कृत भाषा सिखाई जाती है।

संस्कृत भाषा/शास्त्रों में सन्निहित ज्ञान-विज्ञान के उद्घाटन, भारतीय संस्कृति के अवगमन, तथा राष्ट्रिय एवं उत्कृष्ट मानवीय मूल्यों के समुन्नयन में यह केन्द्र अवश्य ही उपयोगी सिद्ध होगा।

अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्र के सञ्चालनार्थ विशेष प्रयत्न करने वाले सभी अधिकारियों का मैं हार्दिक अभिनन्दन करता हूँ।

प्रो. श्रीनिवास वरखेड़ी
कुलपति

अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्रों हेतु दिशा-निर्देश

संस्कृत भाषा भारतीय मनीषा एवं संस्कृति की अनुपम निधि है। संस्कृत का स्वरूप बहुत विशाल एवं व्यापक है। असंख्य भारतीय अपने भारतीय स्वरूप की रक्षा तथा दृढ़ता के लिए सस्कृत पढ़ना चाहते हैं। उन्हें सरलतम प्रक्रिया से संस्कृत भाषा एवं उसमें सन्निहित ज्ञान-विज्ञान का परिज्ञान कराना है। इस महान् उद्देश्य की सङ्कल्पना के साथ समाज के विविध क्षेत्र के संस्कृत जिज्ञासुओं को संस्कृताध्ययन की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा **"अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण"** का आरम्भ किया गया है।

1. केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, संसद के अधिनियम के द्वारा संस्थापित बहुपरिसरीय संस्कृत विश्वविद्यालय है। भारत के विभिन्न राज्यों में इसके अपने 13 परिसर हैं। इसके अतिरिक्त केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मन्त्रालय की योजना के अधीन 22 आदर्श संस्कृत महाविद्यालयों, 04 आदर्श संस्कृत शोध संस्थानों तथा अनेकों शैक्षिक संस्थाओं को वित्तीय सहायता प्रदान करता है। अपने स्थापना काल 15 अक्टूबर 1970 से (तत्कालीन राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान) अखिल भारत स्तर पर संस्कृत के सर्वांगीण विकास हेतु समर्पित यह विश्वविद्यालय, वेद, व्याकरण, साहित्य, ज्योतिष, धर्मशास्त्र, न्याय, वेदान्त, मीमांसा, पुराणेतिहास, साङ्ख्ययोग, जैनदर्शन तथा बौद्धदर्शन में प्राक्शास्त्री (+2), शास्त्री (B.A.), आचार्य (M.A.) तथा विद्यावारिधि (Ph.D.) के छात्रों को यू.जी.सी. के मानक के अनुसार पारम्परिक शिक्षा प्रदान करता है। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से भी कतिपय पाठ्यक्रमों का सञ्चालन करता है। इसके साथ शिक्षाशास्त्री (B.Ed.) एवं शिक्षाचार्य (M.Ed.) प्रशिक्षण पाठ्यक्रम भी चलाए जाते हैं। इन पारम्परिक उपाधि पाठ्यक्रमों के अतिरिक्त विश्वविद्यालय विभिन्न राज्यों में सञ्चालित अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्रों के द्वारा जनसामान्य को संस्कृत सिखाता है।

2. अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्रों के पाठ्यक्रमों के नाम

इन केन्द्रों में दो पाठ्यक्रम चलाए जाते हैं। जिनमें प्रथम पाठ्यक्रम का नाम '**संस्कृतभाषा-प्रमाणपत्रीय-पाठ्यक्रमः**' है तथा द्वितीय पाठ्यक्रम का नाम '**संस्कृतभाषा-दक्षता-पाठ्यक्रमः**' है।

3. पाठ्यक्रम का स्वरूप

क. ये क्रेडिट आधारित अंशकालिक पाठ्यक्रम हैं।

ख. 2023-24 शैक्षिक सत्र में इनकी अवधि 15 जुलाई, 2023 से 15 मई 2024 तक है।

ग. पाठ्यक्रम

I. **संस्कृतभाषा-प्रमाणपत्रीय-पाठ्यक्रमः'** (8 Credits)- इस पाठ्यक्रम में केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशित '**प्रथमा दीक्षा**' (First Level) निर्धारित है। इसमें पाँच पुस्तकें- वर्णमाला, वाक्यव्यवहारः, वाक्यविस्तरः, सम्भाषणम् तथा परिशिष्टम् हैं। इनका अध्यापन सरल संस्कृत में कराया जाता है। इस पाठ्यक्रम को पूर्ण करने हेतु न्यूनातिन्यून 120 घण्टे का समय अपेक्षित है।

II. **संस्कृतभाषा-दक्षता-पाठ्यक्रमः**' (12 Credits)- इस पाठ्यक्रम में केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशित '**द्वितीया दीक्षा**' (Second Level) के प्रारम्भिक पाँच स्तबक निर्धारित हैं। इसके अन्तर्गत '**व्यवहारप्रदीपः**' पुस्तक में सङ्कलित संस्कृत के सुभाषित, कहानियों तथा विभिन्न प्रकार के विशिष्ट अभ्यासों के द्वारा संस्कृत के सामान्य व्याकरण की शिक्षा दी जाती है। इस पाठ्यक्रम को पूर्ण करने हेतु न्यूनातिन्यून 150 घण्टे का समय अपेक्षित है।

III. केन्द्र में अध्यापन हेतु समय सारिणी का निर्धारण अध्येताओं की सुविधानुसार किया जा सकता है।

IV. केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा पाठ्यसामग्री (प्रथमा दीक्षा तथा द्वितीया दीक्षा) उपलब्ध कराई जाएगी।

V. यह पाठ्यक्रम विश्वविद्यालय के द्वारा संचालित संस्कृत/योग/आयुर्वेद/विविध दूरस्थशिक्षा पाठ्यक्रमों में प्रगत अध्ययन हेतु अपेक्षित प्राथमिक ज्ञान प्रदान करेगा। अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्रों में अध्ययन करने के बाद अध्येता 'मुक्तस्वाध्यायपीठम्' (Institute of Open and Distance Education) के द्वारा संचालित विविध संस्कृत पाठ्यक्रमों में प्रवेश ले सकता है।

4. प्रवेशार्हता

'**संस्कृतभाषा-प्रमाणपत्रीय-पाठ्यक्रम**' में पन्द्रह वर्ष से अधिक कोई भी संस्कृत का जिज्ञासु प्रवेश ले सकता है। सम्बन्धित संस्था के छात्र, अध्यापक, कर्मचारी तथा अधिकारी के अतिरिक्त अन्य जन-सामान्य भी प्रवेश ले सकते हैं।

'**संस्कृतभाषा-दक्षता-पाठ्यक्रम**' में प्रवेश के लिए केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा सञ्चालित संस्कृतभाषा-प्रमाणपत्रीय-पाठ्यक्रम' में उत्तीर्णता आवश्यक है।

5. प्रवेश प्रक्रिया

समर्थ पोर्टल के माध्यम से अध्येताओं का प्रवेश होगा, एतदर्थ अध्येता को **sanskritddeadm.samarth.edu.in** इस लिंक के द्वारा अपना पंजीकरण करने के पश्चात् पाठ्यक्रम का चयन तथा आन-लाईन के माध्यम से रु. 1200/- जमा करना होगा।

6. शुल्क

नामांकन शुल्क	**रु. 200/-**	प्रवेश के समय कुल **रु. 1200/-** जमा करना होगा
पाठ्यसामग्री शुल्क	**रु. 500/-**	
शिक्षण शुल्क	**रु. 500/-**	
परीक्षा शुल्क	**रु. 300/-**	परीक्षा से पहले **रु. 300/-** जमा करना होगा
कुल	**रु. 1500/-**	

7. छात्र संख्या

प्रत्येक पाठ्यक्रम के प्रत्येक वर्ग (Batch) में न्यूनातिन्यून 50 अध्येताओं को प्रशिक्षित किया जाना अभीष्ट है। एक संस्था/केन्द्र में एक से अधिक वर्ग चलाए जा सकते हैं।

8. अध्यापन का स्थान

संस्था/केन्द्र के सुविधानुसार परिसर या निकटवर्ती किसी दूसरे स्थान में भी अध्यापन स्थान निश्चित किया जा सकता है।

9. परीक्षा

I. पाठ्यक्रम पूर्ण होने के बाद मई, 2024 में केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के द्वारा आनलाईन के माध्यम से परीक्षा का आयोजन किया जाएगा। परीक्षा में उत्तीर्ण अध्येताओं को केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के द्वारा अंक-पत्र तथा प्रमाण-पत्र दिए जाएंगे।

II. परीक्षा में अनुत्तीर्ण/अनुपस्थित अध्येता अग्रिम शैक्षिक सत्र (2024-25) में वार्षिक परीक्षा शुल्क देकर परीक्षा आवेदन पत्र आनलाइन के माध्यम से भर सकता है।

III. अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्र के अध्येताओं को परीक्षा में उत्तीर्णता हेतु नामांकन वर्ष से अधिकतम दो वर्षों तक परीक्षा में प्रवेश हेतु अवसर दिया जाएगा। (यथा- 2023-2024 शैक्षिक सत्र में नामांकित अध्येता 2024 अथवा 2025 की वार्षिक परीक्षा में ही भाग ले सकेंगे)।

10. अध्ययन केन्द्र में अपेक्षित सुविधाएँ

I. 50 अध्येताओं के बैठने की व्यवस्था।

II. अध्यापन हेतु संसाधनों यथा कुर्सी, मेज, दृश्य-श्रव्य साधन इत्यादि की व्यवस्था।

III. सभी अध्येताओं के गमनागमन की दृष्टि से अनुकूल स्थान।

IV. अध्ययन-अध्यापन हेतु उपर्युक्त वातावरण।

V. कक्षाओं के संचालन हेतु शिक्षक की सहायता।

11. संस्था के कर्त्तव्य

I. अनौपचारिक संस्कृत शिक्षक के बैठने की व्यवस्था।

II. कक्षाओं के सञ्चालन हेतु समुचित स्थान तथा संसाधन का प्रबन्ध।

III. केन्द्र के प्रचार-प्रसार तथा अध्येताओं को आकृष्ट करने में सहयोग।

IV. अध्येताओं को केन्द्र के विषय में अपेक्षित सूचनाएँ देना।

V. शिक्षक के सहयोग से केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के साथ आवश्यक पत्राचार।

VI. पाठ्यक्रम पूर्ण होने के पश्चात् भी केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय को केन्द्र से सम्बद्ध अपेक्षित सूचनाएँ उपलब्ध कराना।

VII. अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्र के सुचारु संचालन हेतु किसी एक व्यक्ति को नामित करना जो इस सन्दर्भ में केन्द्राधिकारी (Authorized Officer) होगा।

VIII. केन्द्र से सम्बद्ध वस्तुओं के संरक्षण तथा केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा प्रेषित पाठ्यसामग्रियों के वितरण की व्यवस्था।

IX. केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा प्रस्तुत MoU में केन्द्र के उच्चतम अधिकारी द्वारा हस्ताक्षर।

12. केन्द्राधिकारी के कर्त्तव्य

I. सभी के सहयोग से विभिन्न प्रचार माध्यमों से केन्द्र के प्रचार-प्रसार की व्यवस्था।

II. विभिन्न आयुवर्ग (15 वर्ष या अधिक) के तथा विविध व्यवसाय के अध्येताओं को संस्कृत के अध्ययन हेतु आकृष्ट करना।

III. शिक्षक के परामर्शानुसार केन्द्र के उद्घाटन, सञ्चालन, परीक्षा, प्रमाणपत्र वितरण एवं अन्य कार्यक्रमों हेतु व्यवस्था।

IV. यथा समय केन्द्र की गतिविधियों से केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली को अवगत कराते रहना।

V. शिक्षक के द्वारा पूर्व माह में किए गये कार्यों का प्रगति विवरण सम्बद्ध प्रपत्र में भरकर ईमेल (**nfse@csu.co.in**) के माध्यम से प्रत्येक महीने की दिनांक 21 से 30 के मध्य कार्यालय में प्रेषित करना, जिससे शिक्षक को समय पर पारिश्रमिक दिया जा सकेगा।

13. अन्य अवधेयांश

I. सामान्यतः एक शैक्षिक सत्र के लिए तात्कालिकरूप से संस्था-विशेष में या स्थान-विशेष में अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्र खोलने की स्वीकृति दी जाती है। किसी भी संस्था को या स्थान को अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण के स्थायी केन्द्र के रूप में परिगणित नहीं किया जाएगा।

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय का अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्र खोलना, अगले सत्रों में केन्द्र का अनुवर्तन करना/न करना, केन्द्र को निरस्त करना इत्यादि विषयों में केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली का निर्णय अन्तिम होगा।

II. शिक्षक को अपेक्षानुसार एक महीने में एक आकस्मिक अवकाश दिया जा सकता है।

III. प्रत्येक शिक्षक एक से अधिक केन्द्रों/संस्थाओं में अध्येताओं की उपलब्धता के अनुसार दो या तीन कक्षाओं में अध्यापन करेगा।

IV. अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण से सम्बन्धित किसी भी विषय में केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के कुलपति का निर्णय सर्वोपरि होगा।

14. केन्द्र का प्रचार

I. वैयक्तिक सम्पर्क के द्वारा, समाचारपत्रों में विज्ञापन या प्रेस नोट के द्वारा, स्थानीय केबल के माध्यम से, आकाशवाणी से, बैनर के द्वारा, विद्यालयों, महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों या अन्य सार्वजनिक स्थलों में लिखित सूचनाओं के द्वारा, सोशल मीडिया के द्वारा अथवा इतर माध्यमों से अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्र का प्रचार-प्रसार किया जा सकता है।

II. विशिष्ट व्यक्तियों को आमन्त्रित कर केन्द्र की गतिविधियों से परिचय करा सकते हैं।

III. केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय की गतिविधियों को जानने हेतु www.sanskrit.nic.in का अवलोकन किया जा सकता है।

15. राज्य संयोजक

अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्र चलाने वाली संस्थाओं के सहयोग के लिए केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय नई दिल्ली के द्वारा प्रत्येक राज्य में राज्य संयोजक को मनोनीत किया गया है। (सूची का अवलोकन करें, पृष्ठ सं.- 13-17) केन्द्र के सुचारु संचालन हेतु राज्य संयोजक आवश्यकतानुसार समय-समय पर केन्द्र का निरीक्षण करेंगे। आवश्यकतानुसार उनसे सम्पर्क किया जा सकता है।

16. राष्ट्रिय संयोजक

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के द्वारा अखिल भारत स्तर पर सञ्चालित अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्रों से सम्बद्ध समस्त कार्यों का संयोजन राष्ट्रिय संयोजक के द्वारा किया जाता है। इस निमित्त सभी पत्राचार 'राष्ट्रिय संयोजक, अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण, मुक्तस्वाध्यायपीठम्, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, 56-57, इन्स्टीट्यूशनल् एरिया, जनकपुरी, नवदेहली- 110058 (E-mail- **nfse@csu.co.in**) पर किया जा सकता है।

††††††

अध्येताओं के लिए सूचना

- **अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण**
  - संस्कृत भाषा वैज्ञानिकी भाषा है। संस्कृत वाङ्मय में कृषि, कला, साहित्य, विज्ञान, दर्शन, प्रबन्धन, तकनीक, आयुर्वेद, विधि आदि का मौलिक ज्ञान निहित है।
  - अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण के द्वारा सरलता से संस्कृत के विविध वाङ्मय में प्रवेश कर सकते हैं।
- **लक्ष्य**
  - संस्कृत के अध्ययन का शुभारम्भ।
  - संस्कृत में निहित विज्ञान एवं साहित्य का परिचय प्राप्त करना।
  - विश्व में वैज्ञानिक भाषा के रूप में प्रख्यात संस्कृत का व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त करना।
- **शिक्षणविधि**
  - प्रत्यक्ष (Communicative) पद्धति।
- **पाठ्यक्रम की अवधि**
  - 2023-24 शैक्षिक सत्र में 15 जुलाई, 2023 से 15 मई, 2024 तक।
- **प्रवेशार्हता**
  - पन्द्रह वर्ष से अधिक कोई भी संस्कृत का जिज्ञासु '**संस्कृतभाषा-प्रमाणपत्रीय-पाठ्यक्रम**' में प्रवेश ले सकता है।
  - '**संस्कृतभाषा-दक्षता-पाठ्यक्रम**' में प्रवेश हेतु '**संस्कृतभाषा-प्रमाणपत्रीय-पाठ्यक्रम**' में उत्तीर्ण होना आवश्यक है।
- **पाठ्यक्रम का स्वरूप**
  - ये क्रेडिट आधारित अंशकालिक पाठ्यक्रम हैं।
- **पाठ्यक्रमों के नाम एवं क्रेडिटस**
  - संस्कृतभाषा-प्रमाणपत्रीय-पाठ्यक्रमः (8 Credits)
  - संस्कृतभाषा-दक्षता-पाठ्यक्रमः (12 Credits)
- **प्रवेश शुल्क**
  - रु. 1200/- (रू. बारह सौ) प्रति पाठ्यक्रम।

- **परीक्षा शुल्क**
  - रु. 300/- (रू. तीन सौ)
- **आवेदन कैसे करें**
  - अध्येता समर्थ पोर्टल के माध्यम से आपना विवरण भर कर नामांकन करे। उसके बाद पाठ्यक्रम का चनय कर शुल्क देकर प्रवेश लें।
- **प्रवेश हेतु समर्थ पोर्टल लिंक**
  - sanskritddeadm.samarth.edu.in
- **पाठ्यसामग्री**
  - केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के द्वारा पाठ्यसामग्री (प्रथमा दीक्षा एवं द्वितीया दीक्षा) उपलब्ध कराई जाएगी।
- **कक्षा का समय**
  - अध्येताओं की सुविधानुसार संस्था के द्वारा कक्षा की समय सारिणी निर्धारित की जाएगी।
- **परीक्षा**
  - पाठ्यक्रम पूर्ण होने के बाद मई, 2024 में केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के द्वारा आनलाईन के माध्यम से परीक्षा का आयोजन किया जाएगा। परीक्षा में उत्तीर्ण अध्येताओं को केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के द्वारा अंक-पत्र तथा प्रमाण-पत्र दिए जाएंगे। यह पाठ्यक्रम केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के द्वारा संचालित संस्कृत/योग/आयुर्वेद/विविध दूरस्थशिक्षा पाठ्यक्रमों में प्रगत अध्ययन हेतु अपेक्षित प्राथमिक ज्ञान प्रदान करेगा।

††††††

अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्रों के राज्य-संयोजक

क्र.सं. राज्य	संयोजक का नाम एवं पता
1. आन्ध्रप्रदेश	**डॉ. यू. वेंकटरमणमूर्त्ति** प्रवक्ता (संस्कृत), 23-23-30, शिवा राय स्ट्रीट सत्यनारायणपुरम्, विजयवाड़ा- 520011 (आन्धप्रदेश) दूरभाषा- 09848444906 E-mail- uramanamurthy@yahoo.in
2. बिहार	**प्रो. श्रीप्रकाश पाण्डेय** संस्कृतविभाग, बी.आर. अम्बेडकर विश्वविद्यालय क्वा.नं.23, विश्वविद्यालय परिसर, मुजफ्फरपुर, बिहार-842001 दूरभाषा- 08051696738, 08987073006 E-mail- drshriprakashpandey@gmail.com
3. जम्मू एवं कश्मीर	**प्रो. विश्वमूर्ति शास्त्री,** भूतपूर्व प्राचार्य, 3/127, इन्दिरा विहार, ओल्ड जानीपुर जम्मू एवं कश्मीर- 180007 दूरभाषा- 09419138606 E-mail- profvmshastri@gmail.com
4. दिल्ली	**डॉ. टी. महेन्द्र** सहायक आचार्य, संस्कृत एवं प्राच्यविद्या अध्ययन संस्थान जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालयः, नई दिल्ली- 110067 दूरभाषा- 9555243989 E-mail- tpmahi@gmail.com

5. गोवा

श्री आनन्द देसाई
कृष्णाई, मकान न. 214, देमानी, कन्सोलिम,
सलसिट, गोवा- 403507,
दूरभाषा- 09850135236
Email- anandesai66@gmail.com

6. गुजरात

डॉ.भा.वं. रामप्रिय
निदेशक, दर्शनम् संस्कृत महाविद्यालय, एस्.जी.वी.पी. सर्किल
एस. जी. हाईवे, छारोडी, पो. चान्द्लोदिया,
अहमदाबाद- 382481 (गुजरात)
दूरभाषा- 09825130768
E-mail- priyabv2@yahoo.com

7. हरियाणा

प्रो. सुरेन्द्र मोहन मिश्र
संस्कृत विभाग, प्रकोष्ठ सं.-21, रोड़ भवन, ब्रह्म्ण सरोवर
कुरुक्षेत्र, हरियाणा- 136116
दूरभाषा- 09896086579
E-mail- drsmmishra@gmail.com

8. हिमाचल प्रदेश

डा. सुदेश गौतम
प्राचार्य, हिमाचल आदर्श संस्कृत महाविद्यालय
जाँगला, चिरगाँव, शिमला, हिमाचल प्रदेश- 171208
दूरभाषा- 09418499709
E-mail- sktjangla@gmail.com

9. छत्तीसगढ़

डा. वैभव वसन्त कान्हे
सहायक प्रोफेसर, सरकारी डी.एस.वी.पी.जी. संस्कृत कॉलेज
रायपुर, छत्तीसगढ़- 792001
दूरभाषा- 9826168654
Email-vaibhavkahne123@gmail.com

10. झारखण्ड

डा. ताराकान्त शुक्ल
अध्यक्ष, संस्कृतविभाग, विनोवाभावे विश्वविद्यालय,
हजारीबाग, झारखण्ड, दूरभाषा- 09431993914
E-mail- tarakantshukla@yahoo.com

11. कर्णाटक

श्री कू. वेंकटेशमूर्ति
केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
श्री राजीव गान्धी परिसर, जिला- चिकमंगलूर,
कर्णाटक, श्रृंगेरी- 577139
दूरभाषा- 09968403772
Email- kuvemoorthy@gmail.com

12. केरल

डा. के गिरिधर
सहायकाचार्य, शिक्षाशास्त्र विभाग,केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय,
गुरूवायूर परिसर, पो.- पुरनाटुक्करा, त्रिचूर, केरल- 680551
दूरभाषा- 8309016814
E-mail- girionki@gmail.com

13. महाराष्ट्र

प्रो. रवीन्द्र अम्बादास मुले
संस्कृत प्रगत अध्ययन केन्द्र, पुणेविघापीठ, गणेशखिन्ड
पुणे- 411005 (महाराष्ट्र),
दूरभाषा- 09860941006
E-mail- ravindra.muley@gmail.com

14. मध्यप्रदेश

प्रो. श्रीगोविन्द पाण्डेय
केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, भोपाल परिसर
संस्कृतमार्ग, बागसेवनिया, भोपाल- 462043 (मध्यप्रदेश)
दूरभाषा- 8435000797
E-mail- shrigovindapandey68@gmail.com

15. पूर्वोत्तर राज्य

डा. रणजित तिवारी
एसोसिएट प्रोफेसर, डिपार्टमेंट आफ ट्रेडिशनल संस्कृत
कुमार भास्कर वर्मा संस्कृत एंड एनसिएंट स्टडिज यूनिवर्सिटी
नलबारी, असम- 781337
दूरभाषा- 9706457391
E-mail- ranjeet.tiwary.sanskrit@gmail.com

16. उड़ीसा

प्रो. हरे कृष्ण महापात्र
लोकनाथ रोड़, गदाधर उच्च विद्यालय के समीप
पुरी, ओडिसा- 752001
दूरभाषा.7978080793
Email-mahapatraharekrushna2014gmail.com

17. पंजाब

प्रो. हर्ष कुमार मेहता
11, एस, टी- 5, सेक्टर- 1, तलवाड़ा टाउनशिप
जिला- होशियारपुर, पंजाब- 144216
दूरभाषा- 9463706242
Email-drharshmehta@yahoo.co.in

18. राजस्थान

प्रो. वाई.एस्.रमेश
केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर परिसर
त्रिवेणी नगर, गोपालपुरा, बाइपास, जयपुर- 302018
दूरभाषा- 09468843973
E-mail- ysrhrk@gmail.com

19. तमिलनाडु

डा. आर.रामचन्द्रन्
प्लॉट न.- 40, डॉर न.- 4/13, गली न.- 3तक, एस.वी.एस. (एनेक्स), वालासरावक्कम, चेन्नई- 600087, तमिलनाडु
दूरभाषा- 09444079958
E-mail- rrsamskritam@gmail.com

20. तेलङ्गाना

डा. के. वरलक्ष्मी
उपनिदेशिका, संस्कृत अकादमी
उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद, तेलेङ्गाणा- 500007
दूरभाषा- 9398601140
E-mail- varalakshmihari@gmail.com

21. उत्तराखण्ड

डॉ. हरीशचन्द्र गुरुराणी
कार्यक्रम अधिकारी, उत्तराखण्ड संस्कृत एकेडमी
रानीपुर झाल, ज्वालापुर, हरिद्वार, उत्तराखण्ड- 249407
दूरभाषा- 09837149064
E-mail- dr.hgururani.usa@gmail.com

22. उत्तर प्रदेश

प्रो. गोपबन्धु मिश्र
संस्कृत विभाग, कला संकाय, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय
वाराणसी, उत्तर प्रदेश- 221005
दूरभाषा- 09450870788
E-mail- gopabandhuh@gmail.com

23. पश्चिम बंगाल

डा. तन्मय कुमार भट्टाचार्य
ए.एफ.- 159, रवीन्द्र पल्ली, प्रफुल्लकानन, कृष्णपुर
कोलकाता- 700101, पश्चिम बंगाल
दूरभाषा- 07003425386, 09433351582
E-mail- tanmaykumar2015@gmail.com

††††††

Guidelines

For Non-Formal Sanskrit Education Centres

Sanskrit language is the unparalleled treasure of Indian wisdom and culture. The resources preserved in this language are vast and manifold. A large number of Indians desire to learn Sanskrit in order to preserve and project original Indianness. It is essential to fulfil their desire by providing the knowledge of Sanskrit language through the simplest possible method and to make them aware of the knowledge well treasured in Sanskrit. Central Sanskrit University has introduced the Non-Formal Sanskrit Education in order to execute this ideal and essential objectives by providing the opportunity and facility to those who are desirous to learn Sanskrit.

1. Central Sanskrit University

The Central Sanskrit University, established by an Act of Parliament. Which is having multi-campuses across the country. It has 13 constituent campuses in various states. Besides it, the Central Sanskrit University provides financial assistance to 22 Adarsh Sanskrit Mahavidyalays, 04 Adarsh Sanskrit Shodh Sansthans and many educational institutions under the scheme of Ministry of Human Resource Development, Govt. of India. Since its inception on 15th October, 1970, the Central Sanskrit University (former Rashtriya Sanskrit Sansthan) is devoted to the overall development of Sanskrit at all India level by imparting education to the students of Prakshastri (+2), Shastri (B.A.), Acharya (M.A.) and Vidyavardhi (Ph.D.) in Veda, Vyakarana, Sahitya, Jyotisha, Dharmashastra, Nyaya, Vedanta, Mimamsa, Puranetihasa, Sankhy-yoga, Jain Darshan and Bauddha Darshan traditional stream by maintaining UGC standards. It also conducts various programme through Distance Education.

In addition, the Central Sanskrit University undertakes training courses of Shiksha Shastri (B.Ed.) and Shiksha Acharya (M.Ed.). Apart from these traditional degree courses, the Central Sanskrit University undertakes Sanskrit learning programme to the public at large scale through Non-Formal Sanskrit Education Centres functioning in different states.

2. Name of Courses of studies of Non-Formal Sanskrit Education Centres

There will be two courses of studies in these centres. **First** is called "**Certificate Course in Sanskrit Language**" and **Second** is "**Diploma in Sanskrit Language**."

3. Nature of Course of Studies

A. It is a credit based part-time course.

B. The duration of the course will be from 15th July, 2023 to 15th May, 2024 for the academic session 2023-24.

C. Course of Studies

I. **Certificate Course in Sanskrit Language** (8 Credits)- Prathama Diksha (First Level) Published by the Central Sanskrit University will be taught in this Course. Under it, five books are Varnamala (वर्णमाला) Vakya-vyavaharah (वाक्यव्यवहारः), Vakyavistarah (वाक्यविस्तरः) Sambhashanam (सम्भाषणम्) and Parishishtam (परिशिष्टम्). These five books will be taught in simple Sanskrit. A minimum period of 120 hours is required to complete the course.

II. **Diploma in Sanskrit Language** (12 Credits)- First 5 Stabakas of Dvitiya Diksha (Second Level) published by the Central Sanskrit University will be taught in this course. Sanskrit Subhashitas, Stories, different types of special exercises, simple Sanskrit grammar compiled in Vyavahara-pradeepah (व्यवहारप्रदीपः) will be also taught in this course. A minimum period of 150 hours is required for this course.

III. Time table of teaching at the Centre may be decided as per convenience of the students.

IV. Study material (Prathama Deeksha and Dvitiya Diksha) will be provided by the Central Sanskrit University, New Delhi.

V. This Course will provide basic knowledge for higher studies in Sanskrit/Yoga/Ayurveda/various Distance Education Programmes of Central Sanskrit University. After successfully completing the "Certificate Course in Sanskrit language" & "Diploma in Sanskrit Language", the student will be eligible to take admission in various Sanskrit Courses which are run by 'Mukta-Swadhyaya-Peetham'. (Institute of Open and Distance Education.

4. Eligibility for Admission

Anyone, above the age of fifteen, who is curious to learn Sanskrit is eligible to take admission in "**Certificate Course in Sanskrit Language**". The admission is open for all the students, teachers, employees and officers of the concerned institution and also family members and general public.

Only who have passed the **First** Course "**Certificate Course in Sanskrit Language**" conducted by the Central Sanskrit University will be eligible to take admission in the **Second** Course "**Diploma in Sanskrit Language**".

5. Admission process

The admission process will be done through Samarth portal. For this, learners have to register through this link sanskritdddeadm.samarth.edu.in, after that they have to select the course and have pay Rs. 1200/- through online portal.

6. Fees

<table>
<tr><td>Admission Fees</td><td>Rs. 200/-</td><td rowspan="3">Total amount payable at the time of admission. Rs. 1200/- to be deposited.</td></tr>
<tr><td>Study Material Fees</td><td>Rs. 500/-</td></tr>
<tr><td>Teaching Fees</td><td>Rs. 500/-</td></tr>
<tr><td>Examination Fees</td><td>Rs. 300/-</td><td>Before the exam Rs. 300/- to be deposited</td></tr>
<tr><td>Total</td><td colspan="2">Rs. 1500/-</td></tr>
</table>

7. Number of Learners

Ideal number of learners in each batch may be 50. More than one batch may be conducted at one Institution/Centre.

8. Place of Study

The place of study may be within the campus of the Institution/Centre at any nearby place according to the convenience.

9. Examination

I. In the session 2023-24 the examination will be conducted by Central Sanskrit University, New Delhi on May, 2024 through online. The marksheet and certificates will be given to the successful learners.

II. Learners who will become unsuccessful or will remain absent in the examination may deposit the examination form along with an examination fee to appear in the next year's (2024-25) Annual Examination through Online.

III. The learners of the Non-Formal Sanskrit Education Centres will be given two chances to pass the examination in two consecutive years only, starting from the Academic year of enrolment, e.g., the learner enrolled in the academic year 2023-24 will be entitled only to appear in the Annual Examinations in 2024 or 2025.

10. Required facilities at study centre

I. Sitting facility for 50 learners.
II. Arrangement of material for teaching like chairs, tables, white-board/ black-board, audio-visual etc.
III. The place should be within easy reach of all learners.
IV. It should have a suitable atmosphere for teaching and learning.
V. Teacher's assistance in conducting classes.

11. Duties of the Institution

I. Providing sitting facility to the Teacher in the Centre.
II. Providing sufficient place and facilities for conducting the classes.
III. Helping in advertising the course and the Centre in common people and it will extend its help to collect the learners. Co-operation in propagation of the Study Centre and attracting the learners.
IV. Providing required information to the learners about the Centre.
V. Necessary correspondence with Central Sanskrit University, New Delhi in association with the Teacher.
VI. Providing desirable information related to the Centre to Central Sanskrit University even after completion of the course.
VII. Nominating a person as an Authorised Officer for smooth functioning the Non-Formal Sanskrit Education Centre.
VIII. Arrangement for preservation of material concerning the Centre and distribution of reading material supplied by the Central Sanskrit University.
IX. Assistance in signing of the MoU between the Central Sanskrit University by the highest official of the Centre.

12. Duties of Authorised Officer

I. Arrangement for publicity of the Centre through different media with co-operation of all.
II. Attracting learners of different age group (more than fifteen years) and various professions for learning Sanskrit.
III. Arrangement for inauguration of the Centre, its functioning, conducting examination, distribution of Certificates and other activities in consultation with the Teacher.
IV. Informing the Central Sanskrit University, New Delhi about activities of the Centre from time to time.
V. Sending the progress details of the work done by the teacher in the previous month through email (**nfse@csu.co.in**) to the NFSE office between 21st to 30th of every month, so that the teacher gets remuneration on time.

13. Other notable matters

I. Normally, the Non-Formal Sanskrit Education Centre is permitted to one academic session in any Institution or at any place for the time being. No Institution or place will be treated as a permanent Centre of Non-Formal Sanskrit Education.
II. The decision of Central Sanskrit University will be final in the matters regarding opening of Non-Formal Sanskrit Education Centre, its continuation/ discontinuation or cancellation of the Centre.
III. One casual leave in a month will be permissible to the Teacher as per requirement.
IV. Each teacher will teach in two or three classes according to the availability of scholars in more than one centre/institution.
V. In any matter concerning the Non-Formal Sanskrit Education, the decision of the Vice-Chancellor, Central Sanskrit University, New Delhi will be final.

14. Publicity of the Centre

I. Non-Formal Sanskirt Education Centres may be brought to light through personal contacts, local cable, Akashvani, Banners, information in writing

in Schools, Colleges, Universities, other public places or social media or through other modes.

II. Distinguished personalities may be invited to introduce the activities of the Centre.

III. For information of activities of The Central Sanskrit University, New Delhi, its website **www.sanskrit.nic.in** may be consulted.

15. State Co-ordinator

State Co-ordinators in each State have been nominated by Central Sanskrit University, New Delhi in order to help smooth functioning of Non-Formal Sanskrit Education Centres. (List may be seen at page no. 26-29). State-co-ordinator will visit and inspect the Centres for their smooth running as per requirement. Necessary contact and correspondence may be done with them accordingly.

16. National Co-ordinator

All sorts of works related to the Non-Formal Sanskrit Education Centres all over India are co-ordinated by the National Co-ordinator. All correspondence regarding this may be done at the address – 'National Co-ordinator, Non-Formal Sanskrit Education, Mukta Swadhyaya Peetham Central, Sanskrit University, 56-57, Institutional Area, Janakpuri, New Delhi 110058 (Email Id- **nfse@csu.co.in**).

††††††

Information for the Learners

- **Non-Formal Sanskrit Education**
  - Sanskrit is a Scientific Language. There are so many treatises related to Agriculture, Arts, Literature, Science, Philosophy, Management, Technology, Ayurveda, Law etc. are well preserved in Sanskrit.
  - One can access the scientific knowledge inherited in Sanskrit literature by learning the language through direct communicative method at Non-Formal Sanskrit Education Centre.
- **Aim**
  - To initiate Sanskrit learning.
  - To introduce the Science and literature in Sanskrit language.
  - To get a working knowledge in illustrious Sanskrit, the Scientific Language of the world.
- **Method of Teaching**
  - Communicative method.
- **Duration of** the **Course:**
  - From 15 July, 2023 to 15 May, 2024 in the academic session of 2023-24.
- **Eligibility for Admission**
  - Anyone, more than fifteen years of age, who is curious about Sanskrit is eligible to take admission in 'Certificate Course in Sanskrit Language'.
  - Who have passed the First Course "Certificate Course in Sanskrit Language" conducted by the Central Sanskrit University will be eligible for admission in the Second Course naming "Diploma in Sanskrit Language".
- **Nature of Course**
  - It is a credit based Part-time course.

- **Name of Courses and credits.**
  - "Certificate Course in Sanskrit Language" (8 Credits)
  - "Diploma in Sanskrit Language" (12 Credits)

- **Enrolment Fee**
  - Rs. 1200/- (Twelve rupees hundred only) for each Course.
- **Examination Fee**
  - Rs. 300/- (Three hundred rupees only)
- **How To Apply**
  - Enroll by filling your details through Samarth Portal. After that choose the course and take admission by paying the fee.
- **Study Material**
  - Study material will be provided by Central Sanskrit University. This will include First and Second Level (प्रथमा दीक्षा एवं द्वितीया दीक्षा) books.
- **Time of Classes**
  - The time table for classes will be decided by the Institution as per convenience of the learners.
- **Examination**
  - In the session 2023-24 the examination will be conducted by Central Sanskrit University, New Delhi on May, 2024 through online. The marksheet and certificates will be given to the successful learners. This course will provide basic knowledge for higher studies in Sanskrit/Yoga/ Ayurveda/various Distance Education programmes of Central Sanskrit University.

††††††

State Co-Ordinator's

1. Andhra Pradesh	**Dr. U. Venkatramana Murthy** Lecturer in Sanskrit, 23-23-30, Siva Rao Street Satyanarayana Puram Vijaywada- 520011, Andhra Pradesh Mob. No.- 09848444906 E-mail- uramanamurthy@yahoo.in
2. Bihar	**Prof. Shree Prakash Pandey** Q.No. -23, University Campus, B.R. Ambedkar University, Muzaffarpur -842001 (Bihar) Mob. No.- - 08051696738, 08987073006 E-mail- drshriprakashpandey@gmail.com
3. Jammu & Kashmir	**Prof. Vishwamurthy Shastri** Ex-Principal, 3/127, Indra Vihar Old Janipur, Jammu- 180007 Mob. No.-09419138606 E-mail- profvmshastri@gmail.com
4. Delhi	**Dr. T. Mahendra** Assistant Professor School of Sanskrit and Indic Studies Jawaharlal Nehru University, New Delhi- 110067 Mob- 9555243989 E-mail- tpmahi@gmail.com
5. Goa	**Sh. Anand Desai** Krushnaee, House No. - 214, Demani, Cuncolim, Salcete - 403703 Goa Mob. No.--09850135236 Email-anandesai66@gmail.com

6. Gujarat	**Dr. B.V. Ramapriya** Director, 'Darshanam' Sanskrit Mahavidyalaya (SGVP) SGVP Circle, S.G. Highway, Chharodi, Ahmedabad - 382 481 (Gujarat) Mob. No.- 09825130768 E-mail- priyabv2@yahoo.com
7. Haryana	**Prof. Surendra Mohan Mishra** Sanskrit Department Prakoshath No.-21, Road Bhawan, Braham Sarovar Kurukshetra, Haryana-136119 Mob. No.- 09896086579 E-mail- drsmmishra@gmail.com
8. Himachal Pradesh	**Dr. Sudesh Gautam** Principal,Himachal Adarsh Sanskrit Mahavidyalaya Jangla, Chirgaon, Dist- Shimla, Pin-171208, HP Mob No.- 09418499709 Email - sktjangla@gmail.com
9. Chattisgarh	**Dr. Vaibhav Vasant Kanhe** Assistant Professor Govt. D.S.V.P.G. Sanskrit College, Raipur, Chhattisgarh- 492001 Mob No.- 9826168654 E-mail- vaibhavkahne123@gmail.com
10. Jharkhand	**Dr. Tarakant Shukla** HOD Department of Sanskrit Vinova Bhave Vishwa-vidyalaya Hazari Bhag, Jharkhand. Mob. No.- 09431993914 E-mail- tarakantshukla@yahoo.com
11. Karnataka	**Shri K. Venktesh Moorthy** Central Sanskrit University, Rajiv Gandhi Campus, Karnataka, Sringeri- 577139 Mob. No.--09968403772 Email- kuvemoorthy@gmail.com

12. Kerala	**Dr. K. Giridhar** Assistant Professor Education, Central Sanskrit University, Guruvayur Campus, PO- Puranattukara Dist.- Trichur, Kerala-680 551 Mob. No.- 8309016814 Email- girionki@gmail.com
13. Maharashtra	**Prof. Ravindra Ambadasmule** Sanskrit Pragat Adhyayan Kendra University of Pune, Ganesh Khind Road, Pune- 411037 MH Mob No.-09860941006 E-mail- ravindra.muley@gmail.com
14. Madhya Pradesh	**Prof. Shree Govind Pandey** Central Sanskrit University, Bhopal Campus Sanskrit Marg, Baghsawnia,Bhopal- 462 016 (M.P.) Mob. No.-- 8435000797 Email- shrigovindapandey68@gmail.com
15. North East	**Dr. Ranjit Tiwari** Associate Professor, Dept. of Traditional Sanskrit Kumar Bhaskar Varma, Sanskrit & Ancient Studies University, Namati, Nalbari, Assam-781337 Mob. No.- 9706457391 Email- ranjeet.tiwary.sanskrit@gmail.com
16. Orissa	**Prof. Harekrishna Mahapatra** Loknath Road, Gadadhar Uchh Vidya Ke Sameep Dist-Puri, Orissa- 752001 Mob No.- 7978080793 Email- mahapatraharekrushna2014@gmail.com
17. Punjab	**Prof. Harsh Kumar Mehta** 11, S, T-5, Sec-1, Dist-Hoshiyarpur, Punjab-144216 Mob no- 9463706242 Email- drharshmehta@yahoo.co.in

18. Rajasthan	Prof. Y.S.Ramesh Central Sanskrit University, Jaipur Campus Trivani Nagar, Gopalpura Bypass, Jaipur-302018 Rajasthan. Mob. No.- 09468843973 E-mail- ysrhrk@gmail.com
19. Tamilnadu	**Dr. R. Ramchandran** Plot No-40, Door No.-4/13, 3rd Street, SVS Nagar (Annexe), Valasaravakkam, Chennai-600087 Tamilnadu Mob- 09444079958 Email- rrsamskritam@gmail.com
20. Telangana	**Dr. K. Varalakshmi** Deputy Director, Sanskritac Academy Osmania University Hyderabad Telangana 500 007 Mob- 9398601140 Email- varalakshmihari@gmail.com
21. Uttrakhand	**Dr. Harish Chandra Gururani** Uttarakhand Sanskrit Academy Ranipur Jhal, Jwalapur, Haridwar Uttarakhand - 249407 Mob-09837149064 Email- dr.hgururani.usa@gmail.com
22. Uttar Pradesh	**Prof. Gopbandhu Mishra** Dept. of Sanskrit, Banaras Hindu University Varanasi,Uttar Pradesh- 221005 Mob No.- 09450870788 Email- gopabandhuh@gmail.com
23. West Bengal	**Dr. Tanmay Kumar Bhattacharya** A.F.-159, Raveendra Palli, Prafullkanan, Krishnapur, Kolkata-700101, WB Mob. No.- 07003425386, 09433351582 Email- tanmaykumar2015@gmail.com

††††††

2022-23 सत्र का केन्द्र विवरण
Centre details of session 2022-23

nfse@csu.co.in